

वेदों ने महिमा बखानी  
 ओ मैया महारानी  
 तू खप्पर वाली चंडी मसानी

जब जब - कष्ट पड़ो भक्तों पे  
 जब जब - कष्ट पड़ो देवों पे  
 प्रगट भई जे भवानी -

ओ मैया महारानी

तू खप्पर वाली चंडी मसानी  
 वेदों ने -----

बनो रूप विकराल मैया महाकाली  
 हाथ खड़ग लिये खप्पर वाली  
 देख के सेना डरानी

ओ मैया महारानी

तू खप्पर वाली चंडी मसानी  
 वेदों ने -----

मैया के डर से दानव भागे  
 सब देवों के भाग हैं जागे  
 इनने करी थी मनमानी - जो तुमने है जानी  
 तू खप्पर वाली चंडी मसानी  
 वेदों ने -----

रक्तबीज की माया निराली  
 दानव सेना की करे रखवाली  
 खप्पर में बूँदे समानी-बनो न अनजानी  
 तू खप्परवाली चंडी मसानी  
 वेदों ने-----

दास "श्री बाबा श्री" शरण में तेरी  
 पार करे मर्ल नैया मेरी  
 सफल करे जिन्दगानी  
 ओ मेरी महारानी  
 तू खप्परवाली चंडी मसानी  
 वेदों ने-----